इस प्रकार जो शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान का बोध कराते हैं, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

कुछ अन्य व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ

सप्ताह के दिन – रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार आदि।
देशों के नाम – भारत, जापान, अमेरिका, चीन, अफ्रीका आदि।
नदियों के नाम – गंगा, यमुना, कावेरी, नील, नर्मदा आदि।
त्योहारों के नाम – दीपावली, होली, दशहरा, ईद, गुरुपर्व आदि।
खेलों के नाम – क्रिकेट, कबड्डी, फुटबॉल, खो-खो आदि।
इमारतों के नाम – ताजमहल, लालकिला, कुतुबमीनार आदि।
व्यक्तियों के नाम – भगतसिंह, सचिन तेंदुलकर, अमिताभ बच्चन, सानिया मिर्ज़ा आदि।
महीनों के नाम – जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा

यह हमारा **विद्यालय** है। यहाँ पर बहुत से **छात्र-छात्राएँ** पढ़ने के लिए आते हैं। हमारी कक्षा में तीस **छात्र-छात्राएँ** हैं। हमारे **अध्यापक** हमें अनेक विषय पढ़ाते हैं। **विद्यालय** में एक खेल का मैदान भी है। यहाँ बहुत सारे **पेड़-पौधे** लगे हुए हैं। अनुच्छेद में **विद्यालय**, **छात्र-छात्राएँ**, **कक्षा**, **अध्यापक**, **मैदान** तथा **पेड़-पौधे** किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध नहीं करवा रहे, बल्कि उनकी पूरी जाति का बोध करा रहे हैं अर्थात् यह किसी विशेष के नाम न होकर सामान्य नाम हैं।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार–

जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, वे जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

कुछ अन्य जातिवाचक संज्ञाएँ–

संबंधियों, व्यवसायों, पदों और कार्यों के नाम : बहन, मंत्री, जुलाहा, प्रोफेसर, ठग, किसान।

पशु-पक्षियों के नाम : घोड़ा, गाय, कौआ, तोता, मैना।

वस्तुओं के नाम : मकान, कुर्सी, घड़ी, पुस्तक, कलम, कागज़, आदि।

प्राकृतिक तत्वों के नाम : तूफ़ान, बिजली, वर्षा, भूकंप, ज्वालामुखी इत्यादि।

व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक में अन्तर जानिए।

1. राज एक ईमानदार व्यक्ति है।
   व्यक्तिवाचक जातिवाचक

2. हिमालय प्रसिद्ध पर्वत है।
   व्यक्तिवाचक जातिवाचक

3. **भाववाचक संज्ञा:** कक्षा में सभी बच्चे मिलजुल कर रहते हैं। एक दूसरे की सहायता करना, आपस में मिल-बाँट कर खाना, परिश्रम करना जैसे उनके गुण कक्षा में ही विकसित होते हैं। उनकी शरारतों में भी स्नेह का भाव रहता है। पढ़ाई-लिखाई के अतिरिक्त अच्छे गुणों का विकास होना भी बहुत आवश्यक होता है।

   अनुच्छेद में 'सहायता, परिश्रम, गुणों, शरारतों, स्नेह, पढ़ाई, लिखाई' शब्द किसी भाव या गुण के नाम हैं। जिनका हम केवल अनुभव कर सकते हैं।

जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के गुण, दोष, अवस्था और मन के भावों का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

भाववाचक संज्ञा बनाने की विधि

अव्यय	–	भाववचक संज्ञा	अव्यय	–	भाववाचक संज्ञा
समीप	–	समीपता	दूर	–	दूरी
शाबाश	–	शाबाशी	बाहर	–	बाहरी
निकट	–	निकटता	शीघ्र	–	शीघ्रता

Scanned with CamScanner